भारत सरकार
गृह मंत्रालय
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को मिला बढ़ावा

अधिक पदो के सृजन से 2.37 लाख कार्मिकों (अराजपत्रित–जनरल ड्यटी) को मिलेगा पदोन्नति के ज्यादा अवसर।

बल की ताकत बहुत हद तक जवानों के मनोबल पर निर्भर करती है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, देश की आंतरिक सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाने वाली के.रि.पु.बल के इतिहास में पहली बार जनरल ड्यूटी के कर्मियों के लिए कैडर रिव्यू की गई है। इससे ग्रुप "बी" एवं "सी" के सिपाही से लेकर निरीक्षक के पद तक के 2.37 लाख कार्मिकों, जिनका पदोन्नति में गतिरोध था उनके लिए बहुत बडी खुशखबरी है। इससे संबंधित के.रि.पु.बल द्वारा प्रेषित प्रस्ताव पर दिनांक 17.09.2019 को गृह मंत्रालय द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

सुबेदार मेजर/निरीक्षक के पद की कुल स्वीकृत पद 6271 में 91 प्रतिशत से अधिक बढोत्तरी की गई है। जबकि उप निरीक्षक (जीडी) के पदो को दोगुना 17403 किया गया है। इसी प्रकार सहायक उप निरीक्षक (जीडी) एवं हवलदार (जीडी) के पदों की संख्या में कमशः 34 प्रतिशत एवं 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे बल के निचले स्तर के नेतृत्व को युवा उम्र का साथ मिलेगा जिससे बल और भी ज्यादा प्रभावी ढंग से परिचालनिक कार्यो को करने में सक्षम होगा।

इस पुनर्गठन प्रयास का अर्थ यह है कि सिपाही (जीडी) से निरीक्षक (जीडी) तक के कर्मियों के कैरियर मे तेजी से विकास होगा। इसका अर्थ यह भी है कि उन्हें बेहतर परिश्रमिक मिलेगा, उनके कंधो पर जिम्मेदारी आएगी जिससे प्रेरणा स्तर को बढावा मिलेगा तथा उनके कार्य– संतुष्टी में वृद्धि होगी। इससे उन्हे फिट रहने की प्रेरणा मिलेगी जोकि बल के कार्मिको के लिए बहुत महत्वपूर्ण है । ज्ञात हो कि बल में पदोन्नति चिकित्सीय श्रेणी "शेप" से जुडा है और उनकी पदोन्नति की पात्रता के लिए फिटनेस का पैमाना रखा गया है। कैडर रिव्यू के कारण सिपाही से निरीक्षक तक के पद से अगले स्तर पर पदोन्नति के लिए प्रतीक्षा अवधि 3 से 5 साल तक कम हो जाएगा।

ऐसा पहली बार हुआ कि के.रि.पु.बल 1939 से अपने स्थापना के बाद से यह अब तक का सबसे बडा कैडर पुर्नगठन किया गया है। पूर्वोक्त लाभो के अलावा यह नवीनतम कदम पदोन्नति के उस ठहराव की भरपाई भी करेगा जो सिपाही से कमाण्डेंट तक के कार्मिकों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 57 से 60 साल तक बढानें के सरकार के निर्णय के फलस्वरूप निर्मित हुई है ।

यह कदम राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली सी0आर0पी0एफ0 के जवानों में मनोबल बढानें में सहायक सिद्ध होगा।

–हस्ता0– 17/09/2019
जन संर्पक अधिकारी, महानिदेशालय

Scanned by CamScanner